# हिन्दी पखवाड़ा 2015 के आयोजन के संबंध में रिपार्ट

सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबंध संस्थान में इस वर्ष 02–15 सितंबर, 2015 तक हिन्दी पखवाड़ा आयोजित किया गया । पखवाड़े के दौरान विभिन्न संकाय सदस्यों की देखरेख में पांच प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। मल्टी टास्किंग स्टाफ के लिए हिन्दी सुलेख प्रतियोगिता (Hindi Sulekh Competition for MTS), हिन्दी निबंध प्रतियोगिता (Hindi Essay Competition), हिन्दी स्लोगन प्रतियोगिता (Hindi Slogan Competition), हिन्दी में टिप्पण प्रारुप लेखन (Hindi Noting and Drafting Competition) तथा प्रशासनिक शब्दावली एवं अनुवाद प्रतियोगिता (Administrative Terminology and Translation Competition) का आयोजन किया गया। संस्थान में चल रहे सहायक सीधी भर्ती के लिए बुनियादी प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों के लिए एक हिन्दी आशु–भाषण (Extempore Competition) प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

2. संस्थान के गोलाकार सम्मेलन कक्ष (आरसीएच) में दिनांक 29 अक्टूबर, 2015 को सांय 3:00 बजे हिन्दी पखवाड़ा, 2015 के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का आरंभ संस्थान की वरिष्ठ अनुवादक द्वारा समारोह की मुख्य अतिथि माननीय निदेशक महोदया डा. सुनीता एच. खुराना, अपर निदेशक कर्नल अश्विनी सलरिया एवं उपस्थित सभी संकाय सदस्यों, अधिकारियों व कर्मचारियों का स्वागत करके किया गया। तत्पश्चात, निदेशक महोदया को अपर निदेशक द्वारा बुके प्रदान करके किया गया। इस समारोह के लिए एडीआर के लिए आयोजित हिन्दी आशु–भाषण प्रतियोगिता के विजेताओं को भी आमंत्रित किया गया था।

3. कार्यक्रम की अगली कड़ी के रुप में एडीआर के लिए आयोजित हिन्दी आशु–भाषण प्रतियोगिता के प्रथम विजेता श्री चिन्मय मिश्रा को उनका आशु–भाषण प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया। उनके द्वारा लॉटरी के माध्यम से चुना गया विषय था सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005। उन्होंने बड़े ही उत्तम तरीके से सूचना का अधिकार अधिनियम की विशेषताओं तथा इसकी आवश्यकता पर अपना आशु–भाषण प्रस्तुत किया। उन्होंने आगे इस विषय पर बोलते हुए यह भी कहा कि अपनी ही सरकार से अपने ही देश में अपनी ही प्रणाली से सूचना मांगने के लिए एक अधिनियम का सहारा लेना पड़ रहा है, यह अत्यंत ही दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है। उन्होंने सूचना का अधिकार अधिनियम के दुष्प्रयोग पर भी अपने विचार रखे। उनके बाद हिन्दी आशु–भाषण प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया। लॉटरी द्वारा चुना गया उनका विषय था अध्यापक और उनके दायित्व। इस विषय पर बोलते हुए उनका उत्साह देखते ही बन रहा था क्योंकि उन्होंने हाल ही में संस्थान में अपना प्रशिक्षण समाप्त किया था और इस अवसर पर अपने अध्यापकों के समक्ष खड़े थे। उन्होंने भी बड़े प्रभावशाली अंदाज़ में समाज में अध्यापक की भूमिका पर अपने विचार रखे। उन्होंने इस व्यवसाय की महत्ता एवं गरिमा का वर्णन किया। साथ ही, उन्होंने अध्यापक के व्यवसाय के गिरते स्तर पर भी अपने विचार प्रकट किए। दोनो एडीआर प्रतिभगियों ने अपने बोलने के अंदाज़ से कक्ष में उपस्थित सभी व्यक्तियों को मंत्रमुग्ध कर दिया ।

4. तत्पश्चात, निदेशक, सप्रप्रसं डा सुनीता एच. खुराना ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। पुरस्कार वितरण के बाद निदेशक महोदया ने सभी उपस्थितों को संबोधित किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि हिन्दी हमारी राजभाषा है और यह भारत सरकार की नीति है कि सरकारी कामकाज में हिन्दी का प्रयोग किया जाए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सरकारी कामकाज में सरल और सहज हिन्दी का

प्रयोग किया जाए। उन्होंने एडीआर प्रतिभागियों के उत्साह एवं उनके प्रस्तुतीकरण पर उनकी प्रशंसा की और आशा की कि आगे भी वे इसी जोश के साथ भारत सरकार में कार्य करते रहेंगे। निदेशक महोदया ने अंत में सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और उम्मीद की सभी पुरस्कार विजेता अपना अधिक से अधिक कामकाज हिन्दी में करेंगे।

5. अंत में उप निदेशक (रा.भा.) डा.एल.आर. यादव ने निदेशक महोदया, अपर निदेशक महोदय का एवं सभी संकाय सदस्यों, जिन्होंने इस कार्यक्रम में अपना योगदान दिया, को धन्यवाद दिया। उन्होंने हिन्दी के राजभाषाा होने पर विशेष रुप से बोलते हुए इसकी वैज्ञानिक प्रकृति और हमारी धरोहर होने, जिसे सहेजा जाना अपेक्षित है पर भी दो शब्द कहे। उन्होंने विशेष तौर पर हिन्दी प्रभाग की सराहना की कि हिन्दी पखवाड़े का सम्पूर्ण कार्यक्रम बहुत ही कुशलतापूर्वक सम्पन्न किया । उन्होंने प्रतियोगिताओं में पुरस्कृत सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को बधाई दी।

6. अंत में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ ।

---